लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय है जो दिल्ली के अशोक विहार में स्थित है। महाविद्यालय अपनी स्थापना के 54 वर्ष पूरे कर चुका है। महाविद्यालय को अपने प्राचार्यों, शिक्षकों और संकाय सदस्यों पर गर्व है जिन्होंने महाविद्यालय के 54 वर्षों के इतिहास को स्वर्णिम बनाने में योगदान दिया है। 2018 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क में लक्ष्मीबाई महाविद्यालय ने 80 वां स्थान प्राप्त किया है। सन् 2019 में देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के लिए इंडिया टुडे ने जो रैंकिंग जारी की है उसमें महाविद्यालय को कला संकाय समूह में 30 वां और वाणिज्य संकाय समूह में 43 वां स्थान मिला है।

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास

शोध प्रकल्प– शोध प्रकल्प शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। शोध व नवोन्मेष किसी भी राष्ट्र की महत्वपूर्ण बौद्धिक संपदा होता है। इसके माध्यम से नवीन ज्ञान का सृजन होता है। देश में शोध–कार्य की गुणवत्ता के संवर्धन हेतु शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने एक विषय के रूप में शोध–प्रकल्प के कार्य को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस विषय के अंतर्गत हम शोध में नैतिकता, पारदर्शिता व भारतीय ज्ञान परंपरा के अनुकूल शोध दृष्टि के निर्माण हेतु कार्यरत हैं। शोध–कार्य भारतीय भाषाओं में प्राथमिकता से हो, ऐसा हमारा प्रयास है। उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर गुणवत्तापूर्ण शोध हो, हम इस दिशा में संगोष्ठियों व परिचर्चाओं के माध्यम से प्रयासरत है।

परामर्श मंडल

प्रो. के.एन. तिवारी
चैयरमेन, गवर्निंग बॉडी
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय
नई दिल्ली

श्री अतुल कोठारी
राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

डॉ. प्रत्यूष वत्सला
प्राचार्या
लक्ष्मीबाई महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

संयोजिका
श्रीमती प्रमिला
हिन्दी विभाग
लक्ष्मीबाई कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
दूरभाष– 9968994324

सह–संयोजक
श्री राजेश्वर कुमार
राष्ट्रीय संयोजक
शोध प्रकल्प
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

आयोजक मंडलः
डॉ. संगीता शर्मा, श्री सनातन कुमार
डॉ. इन्द्रजीत सिंह, श्रीमती शीतल कुमारी
श्री नवनीत कुमार, डॉ. राहुल चिमुरकर
श्री वैभव उपाध्याय

सम्पर्क सूत्रः डॉ. राहुल चिमुरकर
9711967397, 7827666712

आवश्यक सूचना : ऑनलाइन शुल्क भुगतान के पश्चात रसीद की कॉपी lakshmibai.shodhseminar@gmail.com पर मेल करें तथा संगोष्ठी के समय उसकी फोटोकॉपी अवश्य लायें।

Registration Link : https://forms.gle/K12sbXyKciWnGLvy8
visit us: lbcgandhiseminar20.blogspot.com

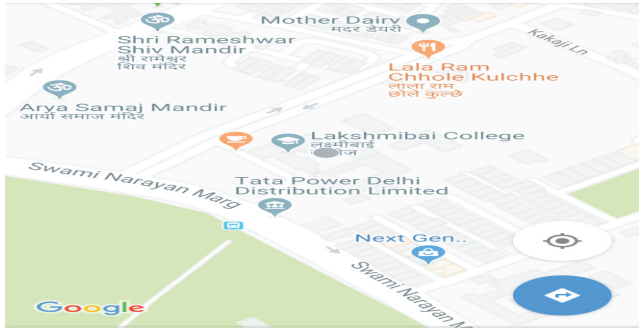

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

एवं

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली

का संयुक्त आयोजन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

विषयः 21वीं सदी के भारत में गाँधी–चिंतन की प्रासंगिकता

दिनांकः 17–18 जनवरी 2020

लक्ष्मीबाई महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय, अशोक विहार
फेज–III, दिल्ली–110052

संगोष्ठी संदर्भ

भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक और आर्थिक ताने–बाने में तेज़ी से परिवर्तन हो रहा है। देश और समाज की सामूहिक चेतना हिलोरे ले रही हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और नवोन्मेष से प्रेरित राष्ट्र, नवभारत के निर्माण की ओर अग्रसर है जो वस्तुत कौशल, ज्ञान–विज्ञान और नवोन्मेष पर आधारित होगा। 21वीं सदी में भारत ने केवल विश्व के अग्रणी देशों में शुमार होगा, बल्कि विश्व के सांस्कृतिक, शैक्षिक, आर्थिक और सतत विकास को नेतृत्व भी प्रदान करेगा। परन्तु भारत की इस विकास यात्रा की चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के इस दौर में भारत ही नहीं अपितु विश्व के विकसित देशों की चुनौतियाँ भी कम नहीं है। भौतिक विकास की अंधाधुंध दौड़ में भारत ही नहीं, बल्कि पूरा विश्व ऊर्जा संकट, पर्यावरण संकट, मानवीय मूल्यों के विघटन, आतंकवाद और आर्थिक विषमताओं आदि से जूझ रहा है। भारत में दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा आबादी निवास करती है, इससे जाहिर तौर पर भारत के उपलब्ध संसाधनों पर भी अधिक दबाब है। स्वाभाविक रूप से भारत के समस्याएँ और संभावनाएँ भी बढ़ रही है। 21वीं सदी में भारत के समक्ष गरीबी, सांस्कृतिक क्षरण, प्रदूषण जैसी अनेक चुनौतियाँ है। महिलाओं और बच्चों के प्रति बढ़ते यौन अपराध, आंतरिक सुरक्षा, अलगाववाद आदि समस्याएँ आज देश के समक्ष मुँह बाए खड़ी हैं।

आज जब हम महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती मना रहे हैं, तो यह आवश्यक हो जाता है कि हम उनके समग्र दर्शन और चिंतन पर एक सार्थक संवाद करें। गाँधी जी के सपनों का भारत कैसा होना चाहिए? समकालीन भारत की चुनौतियाँ के समाधान में गाँधी जी के जीवन दर्शन की क्या भूमिका हो सकती है? महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर कुछ इन्हीं सवालों पर विस्तृत चर्चा करने के लिए 17–18 जनवरी 2020 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित है। इस संगोष्ठी के माध्यम से हम यह जानने–समझने का प्रयास करेंगे कि गांधी जी के सम्पूर्ण चिंतन को एक नया आयाम कैसे दिया जा सकता है।

संगोष्ठी के उपविषय

- शिक्षा में भारतीयता और गाँधी
- पर्यावरण विमर्श और गाँधी
- गाँधी के सपनों का स्वराज
- सामाजिक समरसता और गाँधी
- गाँधी की पत्रकारिता और आज का मीडिया
- गाँधी का सांस्कृतिक चिंतन और भारतबोध
- भाषा विमर्श और गाँधी
- वैश्वीकरण और गाँधी के आर्थिक चिंतन की प्रासंगिकता

प्रतिभागियों हेतु निर्देश

- प्रतिभागी 200–250 शब्दों में शोध पत्र का सार संक्षेप 08 जनवरी 2020 तक ईमेल पर भेंजे– **Email: lakshmibai.shodhseminar@gmail.com**
- शोधपत्र सार संक्षेप स्वीकृति की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2020 है।
- पूर्ण शोध पत्र जमा कराने की अंतिम तिथि 16 जनवरी 2020 है।
- पंजीकरण की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2020 है।

शोधपत्र जमा करने के लिए दिशा–निर्देश

- शोधपत्र की शब्द संख्या 3000–3500 के बीच होनी चाहिए।
- शोधपत्र अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में आमंत्रित हैं।
- अंग्रेजी (टाइम्स न्यू रोमन, 12 फोन्ट साइज एण्ड 1.5 स्पेसिंग)।
- हिन्दी (कृतिदेव–10, 15 फोन्ट साइज, मंगल अथवा यूनीकोड)
- शोधपत्र पीडीएफ एवं वर्ड्स दोनों फॉरमेट में एवं संदर्भ हारवर्ड एपीए शैली में होने चाहिए।
- प्रतिभागियों को स्वयं उपस्थित होकर शोध आलेख प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

पंजीकरण फार्म:

21वीं सदी के भारत में गाँधी–चिंतन की प्रासंगिकता

17–18 जनवरी 2020

प्रतिभागी का विवरण

1. नाम : .....
2. पद : .....
3. संस्थान : .....
4. शोध पत्र का शीर्षक : .....
   .....
5. मोबाइल नं. : .....
6. ई–मेल : .....
7. पता : .....
   .....
   .....

हस्ताक्षर

पंजीकरण एवं सहयोग राशि

- पंजीकरण शुल्क: ₹500/– संकाय सदस्यों हेतु एवं ₹300 शोध अध्येताओं हेतु।
- शुल्क भुगतान ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। विवरण इस प्रकार है–

खाता संख्या : 601310110007951

बैंक का नाम और पता :

बैंक ऑफ इण्डिया, लक्ष्मीबाई महाविद्यालय, कमला नगर, 29–ए, कमला नेहरू रोड़, सब्जी मन्डी, दिल्ली

आइएफसी कोड : BK1D0006013

एमआइसीआर : 110013035

- दिल्ली के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को पूर्व सूचना पर आवास की सुविधा उपलब्ध करवाई जा सकती है।